Course	B.Ed	
Semester	IV	
Subject	Innovation in Education	
Title	Innovation in education.S.W.A	

नवाचार का अर्थ (Meaning of innovation)

नवाचार शब्द दो शब्दों से मिलकर बना हुआ है।**नव + आचार , नव का अर्थ है नया और आचार का अर्थ है आचरण या परिवर्तन।**

नवाचार वह परिवर्तन है।जो पूर्व स्थित विधियों और पदार्थ आदि में नवीनता का संचार करता है।नवाचार शब्द अंग्रेजी के इनोवेशन शब्द के इनोवेट शब्द से बना हुआ। जिसका अर्थ होता है नवीनता लाना या परिवर्तन लाना।

नवाचार की परिभाषा

नवाचार की परिभाषा विभिन्न मनोवैज्ञानिकों के अनुसार निम्नलिखित हैं।

रोजर्स के अनुसार नवाचार की परिभाषा

> *" नवाचार वह विचार हैं जिसकी प्रितीति, व्यक्ति नवीन विचारो के रूप में करे"*

वारनेट के अनुसार नवाचार की परिभाषा

> *" नवाचार एक विचार हैं, व्यवहार हैं अथवा पदार्थ हैं जो नवीन हैं और वर्तमान स्वरूप से गुणात्मक दृष्टि से भिन्न हैं"*

नवाचार की विशेषताएं

नवाचार की विशेषताएं निम्नलिखित है।

1.शिक्षा में नवाचार में क्रियाशीलता एवं प्रयोगिगता की प्रवृत्ति उपस्थित होती है।

2 .यह प्रयास पूर्ण किया जाने वाला कार्य हैं।

3.नवाचार के द्वारा वर्तमान विधियों और परिस्थितियों में सुधार लाने का प्रयास किया जाता हैं।

4.शिक्षा में नवाचार के माध्यम से नवीनतम तकनीक को विद्यालय में पहुचाया जाता हैं।

5.नवीन शिक्षण तकनीकी के माध्यम से बालक का सर्वांगीण विकास सम्भव होता हैं।

शैक्षिक नवाचार के उद्देश्य–

शैक्षिक नवाचार के उद्देश्य निम्लिखित हैं।

1.शिक्षा में नवाचार के माध्यम से अधिगम प्रक्रिया को सरल बनाया जाता हैं।

2.बालको का सर्वागीण विकास किया जाता हैं। जिससे बालको की अंर्तनिहित शक्तियों का विकास हो सके।

3.छात्रों और शिक्षकों का नवीनतम वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास हो सके। जिससे वो अंधविश्वास और कुरूतियो से दूर रहे।

4.शिक्षा में शिक्षण नवाचारों के प्रयोग का मुख्य उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था को विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धा में आगे पहुंचाना है जिससे कि संसार में हमारी शिक्षा प्रणाली आदर्श रूप में जाने जा सके।

नवाचार के प्रकार

नवाचार के प्रकार निम्नलिखित हैं।

1. तकनीकी नवाचार ।
2. उत्पाद और सेवा नवाचार।
3. रणनीति और संरचनात्मक नवाचार ।
4. सांस्कृतिक अभिनव।

शिक्षा में नवाचार निबंध,प्राथमिक स्तर पर शिक्षा में नवाचार,नवाचार के लाभ,नवाचार के गुण,नवाचार के तरीकेसामाजिक नवाचार,नवाचार की आवश्यकता,नवाचार की विशेषताएं,नवाचार की उपयोगिता,नवाचार का परिभाषा,नवाचार का अर्थ क्या होता है,नवाचार की विशेषताओं की व्याख्या, नवाचार का अर्थ और परिभाषा, नवाचार के प्रकार, नवाचार का महत्व, नवाचार के क्षेत्र

नवाचार का महत्व

नवाचार का महत्व नीचे दिए गए निम्नलिखित बिंदुओं के द्वारा समझाया गया है।

1. मूल्य शिक्षा के क्षरण को रोकने के लिए
2. संप्रदायिक सद्भाव बढाना
3. परिवर्तन के अनुसार शिक्षा प्रणाली
4. अनेक समस्याओं का समाधान
5. शिक्षण अधिगम प्रक्रिया की प्रभावशीलता के लिए
6. ज्ञान का स्थायित्व
7. शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु
8. Nhiशिक्षण अधिगम सामग्री के प्रयोग के लिए
9. छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए
10. कौशलों का विकास के लिए
11. नवीन शिक्षण विधियों के ज्ञान हेतु
12. वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास
13. शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए
14. अनुसंधान के लिए
15. मनोविज्ञान सिद्धांतों के प्रयोग के लिए

शैक्षिक नवाचार की आवश्यकता

शैक्षिक नवाचार की आवश्यकता निम्नलिखित हैं।

1. कल्याणकारी राज्य की स्थापना के लिए ।
2. तीव्र आर्थिक विकास हेतु ।
3. जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु।
4. मानव संसाधन का विकास करने हेतु।
5. सामाजिक परिवर्तन के अनुसार शिक्षा ।
6. रोजगार के अवसरों में वृद्धि हेतु।

शैक्षिक नवाचार के क्षेत्र

शैक्षिक नवाचार के कुछ प्रमुख क्षेत्र निम्नलिखित हैं।

1. शिक्षण अधिगम ।
2. मूल्यांकन ।
3. पाठ्य सहगामी क्रियाकलाप ।
4. सामुदायिक सहभागिता ।
5. विद्यालय प्रबंधन।
6. विषयगत कक्षा -शिक्षण एवं समसामयिक दृष्टिकोण।

स्वच्छ भारत अभियान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल व गांधी जी का स्वपन"स्वच्छ भारत सुंदर भारत"

- किसी अन्य भाषा में पढ़ें
- डाउनलोड करें
- ध्यान रखें
- संपादित करें

स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार द्वारा आरंभ किया गया राष्ट्रीय स्तर का अभियान है जिसका उद्देश्य गलियों, सड़कों तथा अधोसंरचना को साफ-सुथरा करना और कूड़ा साफ रखना है। यह अभियान 02 अक्टूबर, 2014 को आरंभ किया गया। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने देश को गुलामी से मुक्त कराया, परन्तु 'स्वच्छ भारत' का उनका सपना पूरा नहीं हुआ। महात्मा गांधी ने अपने आसपास के लोगों को स्वच्छता बनाए रखने संबंधी शिक्षा प्रदान कर राष्ट्र को एक उत्कृष्ट संदेश दिया था।

स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छ भारत अभियान (SBA)

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी अभियान को आरम्भ करते हुए

स्लोगन	*स्वच्छता की ओर एक कदम*
देश	भारत
प्रधानमन्त्री	नरेन्द्र मोदी
शुरू	राज घाट; अक्टूबर 2, 2014; 5 वर्ष पहले
वर्तमान स्थिति	समाप्त

स्वच्छ भारत का उद्देश्य व्यक्ति, क्लस्टर और सामुदायिक शौचालयों के निर्माण के माध्यम से खुले में शौच की समस्या को कम करना या समाप्त करना है। स्वच्छ भारत मिशन विसर्जन उपयोग की निगरानी के जवाबदेह तंत्र को स्थापित करने की भी एक पहल सरकार ने 2 अक्टूबर 2019, महात्मा गांधी के जन्म की 150वीं वर्षगांठ तक

ग्रामीण भारत में 1.96 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 1.2 करोड़ शौचालयों का निर्माण करके खुले में शौंच मुक्त भारत (ओडीएफ) को हासिल करने का लक्ष्य रखा है। [1]

पृष्ठभूमिसंपादित करें

आधिकारिक रूप से 1 अप्रैल 1999 से शुरू, भारत सरकार ने व्यापक ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम का पुनर्गठन किया और पूर्ण स्वच्छता अभियान (टीएससी) शुरू किया जिसको बाद में (1 अप्रैल 2012 को) प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा निर्मल भारत अभियान (एनबीए) नाम दिया गया।[2][3]स्वच्छ भारत अभियान के रूप में 24 सितंबर 2014 को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी से निर्मल भारत अभियान का पुनर्गठन किया गया था।[4] 'निर्मल भारत अभियान' (1999 से 2012 तक पूर्ण स्वच्छता अभियान, या टीएससी) भारत सरकार द्वारा शुरू की गई समुदाय की अगुवाई वाली पूर्ण स्वच्छता (सीएलटीएस) के सिद्धांतों के तहत एक कार्यक्रम था। इस स्थिति को हासिल करने वाले गांवों को निर्मल ग्राम पुरस्कार नामक कार्यक्रम के तहत मौद्रिक पुरस्कार और उच्च प्रचार प्राप्त हुआ।

ई-शिक्षा (ई-लर्निंग) को सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक समर्थित शिक्षा और अध्यापन के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो स्वाभाविक तौर पर क्रियात्मक होते हैं और जिनका उद्देश्य शिक्षार्थी के व्यक्तिगत अनुभव, अभ्यास और ज्ञान के सन्दर्भ में ज्ञान के निर्माण को प्रभावित करना है। सूचना एवं संचार प्रणालियां, चाहे इनमें नेटवर्क की व्यवस्था हो या न हो, शिक्षा प्रक्रिया को कार्यान्वित करने वाले विशेष माध्यम के रूप में अपनी सेवा प्रदान करती हैं[1]।

ई-शिक्षा अनिवार्य रूप से कौशल एवं ज्ञान का कंप्यूटर एवं नेटवर्क समर्थित अंतरण है। ई-शिक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों और सीखने की प्रक्रियाओं के उपयोग को संदर्भित करता है। ई-शिक्षा के अनुप्रयोगों और प्रक्रियाओं में वेब-आधारित शिक्षा, कंप्यूटर-आधारित शिक्षा, आभासी कक्षाएं और डिजीटल सहयोग शामिल है। पाठ्य-सामग्रियों का वितरण इंटरनेट, इंट्रानेट/एक्स्ट्रानेट, ऑडियो या वीडियो टेप, उपग्रह टीवी और सीडी-रोम (CD-ROM) के माध्यम से किया जाता है। इसे खुद ब खुद या अनुदेशक के नेतृत्व में किया जा सकता है और इसका माध्यम पाठ, छवि, एनीमेशन, स्ट्रीमिंग वीडियो और ऑडियो है।

ई-शिक्षा के समानार्थक शब्दों के रूप में सीबीटी (CBT) (*कंप्यूटर आधारित प्रशिक्षा*), आईबीटी (IBT) (*इंटरनेट-आधारित प्रशिक्षा*) या डब्ल्यूबीटी (WBT) (*वेब-आधारित प्रशिक्षा*) जैसे संक्षिप्त शब्द-रूपों का इस्तेमाल किया जा सकता है। आज भी कोई व्यक्ति ई-शिक्षा (ई-लर्निंग/e-learning) के विभिन्न रूपों, जैसे - elearning, Elearning और eLearning (इनमें से प्रत्येक - ईलर्निंग/ईशिक्षा), के साथ-साथ उपरोक्त शब्दों का भी इस्तेमाल होता देख सकता है।

ICT IN EDUCATION.

ज्ञानदर्शन

भारत में ज्ञानदर्शन टी.वी. चैनलो के माध्यम से चलाया जाता है। यह एक शैक्षिक T.V चैनल है। ज्ञानदर्शन दो भागो में बाँटा गया है।

ज्ञानदर्शन I^st → ज्ञानदर्शन II^nd

ज्ञानदर्शन I^st :— 26 जनवरी 2000 को MHRD तथा सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय, प्रसार भारती तथा IGNOU के द्वारा यह सेवा प्रारम्भ की गई। इसके द्वारा NCERT के CIET (Central institute educat. techno.) के विभाग द्वारा तैयार किया जाता है। इसमें NCERT, IGNOU, NIOS (National institute open school) आदि के कार्यक्रमो का प्रसारण तथा 23 घण्टे तथा 1 घण्टे विदेशी कार्यक्रमो का प्रसारण होता है

उद्देश्य :— सामान्य स्कूल व कालेज शिक्षा तथा प्रौढ़ शिक्षा का लाभ विद्यार्थियो तक पहुँचाना।

ज्ञानदर्शन II^nd :— इसे एकलव्य चैनल भी कहा जाता है। इसकी स्थापना 26 जनवरी 2003 को हुई थी। इसकी नोडल एजेन्सी IIT दिल्ली है। इसमें तकनीकि शिक्षा विभाग व IIT के शिक्षा के कार्यक्रमो का प्रसारण किया जाता है। INSAT-3C से ज्ञानदर्शन के समस्त कार्यक्रमो का downloading की जाती है। कार्यक्रम को GSAT-10 द्वारा uplinking किया जाता है।

उपयोगिता :— तकनीकि शिक्षा विभाग में योगदान करना।

ज्ञानवाणी

FM रेडियो तरंगो की परास 87.5 से लेकर 108 MHz के मध्य होती है तथा ज्ञानवाणी का समर्पित बिन्दु 105.4 MHz है। इसकी शुरुआत 7 नवम्बर 2001 को हुई थी लेकिन पुनः नए तरीके से तत्कालीन सूचना प्रसारण मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने 7 July 2003 को इसका पुनः उद्घाटन किया। वर्तमान में ज्ञानवाणी केन्द्रो की संख्या 40 है तथा 1 ज्ञानवाणी केन्द्र 60 KM परास तक शैक्षिक कार्यक्रमो का प्रसारण करता है। ज्ञानवाणी का कुल प्रसारण समय 16 घण्टे है। इसकी नोडल एजेंसी का नाम IGNOU है। यह दूरस्थ शिक्षा की समर्पित चैनल है।

EDUSAT

Educational Satalite

शैक्षिक उपग्रह

निर्माण — ISRO अहमदाबाद द्वारा
स्थापना — 20 सितम्बर 2004
स्थान — श्री हरि कोटा द्वीप (आन्ध्रप्रदेश)
मिशन — शिक्षा
अनुप्रयोग — सम्प्रेषण शिक्षा
मिशन अवधी — 7 वर्ष (इसका आयुकाल 12 वर्ष कर दिया गया है)

उद्देश्य :— इसके माध्यम से भारत में दूरस्थ शिक्षा प्रणाली को प्रभावी ढंग से चलाना तथा दूर दराज तथा ग्रामीण दोनो में शिक्षा का एक वैकल्पिक माध्यम विकसित करना तथा दूर दराज के गावो को सीधे शिक्षक से जोड़ना। इसका प्रमुख कार्य भारतीय शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाना, दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमो को बढ़ावा देना। व्यापक स्तर पर शिक्षा एवं प्रशिक्षण देना।

आकाशवाणी

भारत में रेडियो प्रसारण की शुरुआत 1920 के दशक में हुई। पहला कार्यक्रम 1923 को मे रेडियो क्लब ऑफ मुम्बई द्वारा प्रसारित किया गया। इसके बाद 1927 में प्रसारण सेवा का गठन मुम्बई एवं कोलकाता में प्रयोग के तौर पर किया गया। 1936 में इसका नाम बदलकर all India Radio कर दिया गया और यह 1957 में आकाशवाणी के नाम से भी पुकारा जाने लगा। आकाशवाणी 'बहुजन हिताय बहुजन सुखाय' के लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित करते हुए काम करता है। ताकि सूचना, शिक्षा और मनोरंजन के माध्यम से जन-जन की खुशहाली और उनके कल्याण पर को प्रोत्साहन दिया जा सके। आकाशवाणी निम्न चैनलो के द्वारा अपनी सेवायें जारी संचालित करता है।

1. प्राथमिक चैनल
2. राष्ट्रीय चैनल (18 may 1988) (रात्रिकालीन सेवा) (6:5...)
3. विज्ञापन प्रसारण सेवा (विविध भारती) (october 1957)

1) F.M चैनल
2) विदेश प्रसारण चैनल

Note- 1999 में हुए कारगिल युद्ध की कार्यक्रम में 'हैलो कार्यक्रम' का प्रसारण विविध भारती से ही किया गया।

दूरदर्शन

टेलीविजन लैटिन तथा यूनानी शब्द से बनाया गया है।
टेली (यूनानी) = दूर
विजन (लैटिन) = दृश्य
अर्थात दूरदृष्टि

भारत में टेलीविजन प्रसारण 15 सितम्बर 1959 प्रायोगिक परियोजना के रूप में दिल्ली में दूरदर्शन केन्द्र खोला गया।

कार्यक्रमो की सफलता के आधार पर-

1. 1960 में दोपहर 3-4 बजे स्कूली बच्चो के लिए कार्यक्रम प्रस्तावित किए जाने लगे।
2. 1961 में माध्यमिक विद्यालयो के छात्रो के लिए हिन्दी अंग्रेजी, भुगोल तथा विज्ञान पाठो को प्रसारण किया गया।
3. 1965 में किसानो के लिए कृषि दर्शन की शुरुआत की गयी।
4. अखिल दूरदर्शन कार्यक्रमो का विस्तार दिल्ली से बाहर के लिए पहला कदम SITE (Satellite Instruction television experiment / उपग्रह अनुदेशक दूरसंचार दूरदर्शन प्रयोग) (1 August 1975) ने रखा।

2004

E-learning

Electronic learning (E- अधिगम) कम्प्यूटरो एवं इण्टरनेट के सम्मिलन द्वारा प्रोत्साहित सीखने सिखाने की वह क्रिया है। जिसमें सीखने वाला व्यक्ति आसानी से विविध प्रकरणो को निपुणता के साथ सीखकर अपनी जिज्ञासा की तृप्ति कर सकता है। वास्तव से E-अधिगम विविध electronic उपकरणो की मदद से विकसित अवधारणा है इसलिए इसे electronic अधिगम के नाम से सम्बोधित किया गया है। E-learning में मुख्य रूप से computer, Internet, CD Rom, DVD Teleconferencing, Web सुविधाएँ multimedia mobile आदि सभी का उपयोग किया जाता है। इसे online शिक्षा भी कहते है।

रोजेनबर्ग (2001) में e-learning को स्पष्ट करते हुए लिखा है कि - E-learning से आशय Internet की तकनीकि के ऐसे अनुप्रयोग से है, जिनके द्वारा अनेको मार्गो को खोलकर ज्ञान और क्षमता को बढ़ाया जा सके।

E-learning की विशेषताएँ :—

(1) E- अधिगम द्वारा सम्पन्न भारतीय समाज की संकल्पना को साकार करने वाला एक नवीन आयाम है।

(2) कम समय में अधिक लाभ प्राप्त करने का एक तरीका है।